

Daily Current Affairs

Date : 11 November, 2025



अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	न्याय आपके द्वार अभियान
2.	मुख्य सचिव सुधांशु पंत
3.	राजस्थान में एक शहर-एक निगम मॉडल लागू
4.	पैरा शटलर कृष्णा नागर
5.	मदर टेरेसा समाज गौरव, 2025 अवार्ड
6.	शतरंज प्रतियोगिता : आदित्य ढींगरा को पहला स्थान
7.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. आयरनमैन : 70.3 में डॉ. सुनीत को तीसरा स्थान 2. आर्ट क्यूरेटर वीरेंद्र 3. RUHS और यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के बीच हुआ एमओयू 4. फॉरेंसिक ज्ञान-2025 5. जयपुर योग महोत्सव, 2025 6. ऊर्जा विभाग एवं CSEP रिसर्च फाउंडेशन के मध्य एमओयू 7. कम्युनिटी पुलिसिंग जागरूकता कार्यशाला 8. 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत-फिट राजस्थान' कार्यक्रम 9. ऑल इंडिया इंटर क्लब स्पोर्ट्स कार्निवल (AIICSC)
8.	आयनी एयरबेस
9.	चीन का विमानवाहक पोत फुज़ियान
10.	रीसस मकाक (मकाका मुल्टा)
11.	ट्रॉपिकल फ़ॉरेस्ट्स फॉरएवर फैसिलिटी (TFFF)
12.	जीई-एफ404 इंजन
13.	असम बहुविवाह निषेध विधेयक-2025
14.	वित्तीय क्षेत्रक मूल्यांकन कार्यक्रम (FSAP) रिपोर्ट
15.	चित्तरंजन दास (1870 - 1925)
16.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. कृषि में डीप-टेक क्रांति को आकार देने वाली रिपोर्ट: WEF

--:1:--



राजस्थान परिदृश्य



न्याय आपके द्वार अभियान



चर्चा में क्यों?

- 10 नवम्बर, 2025 को राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (RSLSA) द्वारा लोक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित शिकायतों के निस्तारण हेतु स्थायी लोक अदालतों के माध्यम से एक विशेष 90 दिवसीय "न्याय आपके द्वार -



लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ और त्वरित समाधान" अभियान का शुभारंभ किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- यह अभियान न्याय तक पहुंच को सद्द करने तथा संविधान में निहित न्याय और सेवा के मूल्यों को व्यवहार में उतारने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।
- शुभारंभ :** 10 नवम्बर, 2025 को संजीव प्रकाश शर्मा (कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश) और राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा।
- अवधि :** 3 माह
- इस अभियान के तहत स्थायी लोक अदालतों द्वारा, आवश्यकतानुसार संबंधित जिले में शिकायतों के निस्तारण हेतु कैम्प आयोजित किए जाएंगे।
- स्थायी लोक अदालत में कौनसे मामले नहीं आते? :** अपराध संबंधी मामले तथा एक करोड़ से अधिक सम्पत्ति वाले विवादित मामले और सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से असंबंधित विवाद (जैसे सामान्य व्यावसायिक या कर विवाद) स्थायी लोक अदालत के दायरे में नहीं आते।

- **स्थायी लोक अदालत** : यह एक न्यायिक संस्था है, जहाँ आमजन की लोक उपयोगी सेवाओं (जैसे बिजली, पानी, परिवहन, डाक, बीमा, टेलीफोन, नगर निकाय आदि) से जुड़ी शिकायतें सरल और निःशुल्क तरीके से सुनी जाती हैं। यह विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत स्थापित एक स्थायी संस्था है, जो हर जिले में कार्यरत है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:

- राजस्थान सरकार द्वारा पीठासीन अधिकारियों और सदस्यों का कार्यकाल बढ़ाने में विलंब होने के कारण राज्य के 16 जिलों में स्थायी लोक अदालतें (PLAs) स्थगित कर दी गई।
- राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने 3 मई, 2025 को स्पष्ट किया था कि जिन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो गया है, वह विवाद समाधान में भाग नहीं ले सकेंगे।

मामला :

- राजस्थान उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लिया और न्याय तक पहुँच तथा निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार (अनुच्छेद 21) पर इसके गंभीर प्रभाव पर चिंता व्यक्त की।
- **आधार** : उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने बृज मोहन लाल बनाम भारत संघ (वर्ष 2012) में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का हवाला दिया, जो मनमाना या दुर्भावनापूर्ण पाए जाने पर नीतिगत निर्णयों की न्यायिक समीक्षा की अनुमति देता है।
- **न्यायमित्र नियुक्त / एमिकस क्यूरी (शाब्दिक अर्थ, "न्यायालय का मित्र")** : वह व्यक्ति जो किसी मामले में पक्षकार नहीं होता है और उसे किसी पक्षकार द्वारा निवेदन किया जा सकता है या नहीं भी किया जा सकता है। इसका कार्य न्यायालय को सूचना, विशेषज्ञता या किसी मुद्दे पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान कर सहायता करना होता है।

स्थायी लोक अदालतें (PLAs) :

- **स्थापना** : PLAs विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 22-B के तहत।
- **स्थिति** : यह एक वैधानिक निकाय है, जिसे मुख्यतः पूर्व-विवाद सुलह और समझौते को सुनिश्चित करने के लिये स्थापित किया गया है, विशेष रूप से उन मामलों में जो लोक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित हों।

Daily Current Affairs

Date : 11 November, 2025



- PLAs पक्षकारों को मुकदमा दायर करने से पहले सुलह का प्रयास करने हेतु एक अनिवार्य मंच प्रदान करता है।
 - हालाँकि, लोक अदालतों को लंबित मामलों के साथ-साथ मुकदमा-पूर्व मामलों पर भी क्षेत्राधिकार प्राप्त है।
 - PLAs आपराधिक अपराधों से संबंधित मामलों का निर्णय नहीं कर सकते।
 - **संरचना** : एक अध्यक्ष (आमतौर पर सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी) और सार्वजनिक सेवा या कानून में अनुभव वाले दो अन्य सदस्य।
 - **बाध्यकारी प्रकृति** : स्थायी लोक अदालत द्वारा पारित निर्णय अंतिम होता है तथा सभी पक्षों पर बाध्यकारी होता है।
 - यदि दोनों पक्ष आपसी समझौते पर पहुँचने में असफल रहते हैं, तो PLAs को मामले के गुण-दोष के आधार पर निर्णय लेने का अधिकार है।
 - **अपील** : इस निर्णय के विरुद्ध कोई अपील नहीं की जा सकती, जिससे त्वरित एवं निर्णायक समाधान सुनिश्चित होता है।
- PLAs का महत्त्व:**
- **न्याय तक पहुँच** : लोक अदालतें वहनीय और त्वरित न्याय के लिये एक महत्त्वपूर्ण तंत्र हैं, विशेष रूप से कमज़ोर वर्गों के लिये।
 - **लंबित मामले** : इसके तहत लंबित मामलों में कमी आएगी तथा उच्च न्यायालय के कार्यभार में कमी होगी।

--:4::--

मुख्य सचिव सुधांश पंत

चर्चा में क्यों?

- 10 नवंबर, 2025 को प्रदेश ब्यूरोक्रेसी के मुखिया और राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत का ट्रांसफर कर केंद्रीय सामाजिक न्याय विभाग में सचिव के पद पर नियुक्त कर दिया है।



मुख्य बिन्दु:

- राजस्थान में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी सीएस का मध्य कार्यकाल में ही ट्रांसफर किया गया है।
- मुख्य सचिव नियुक्त** : दिसंबर, 2023 (उषा शर्मा के सेवानिवृत्त होने के बाद)।
- केंद्रीय सामाजिक न्याय विभाग में सचिव के पद पर वर्तमान में सीनियर IAS अमित यादव कार्यरत हैं। वह 30 नवंबर, 2025 को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इसके बाद सुधांश पंत को कार्यभार ग्रहण करना है।
- पंत वर्ष 1991 बैच के आईएस हैं।
- वर्ष 1993 में उन्होंने राजस्थान कैडर में सेवाएँ देना शुरू किया। वह जैसलमेर, झुंझुनूं, भीलवाड़ा और जयपुर में कलेक्टर रह चुके हैं।
- पंत जयपुर विकास प्राधिकरण के कमिश्नर रह चुके हैं। साथ ही कृषि विभाग के कमिश्नर और वन पर्यावरण विभाग में प्रिंसिपल सचिव भी रह चुके हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:

मुख्य सचिव :

- नियुक्ति** : मुख्यमंत्री द्वारा। (चूँकि मुख्य सचिव की नियुक्ति मुख्यमंत्री के कार्यकारी आदेश से होती है, इसलिए इसे राज्य के राज्यपाल द्वारा नामित किया जाता है।)

पदास्थिति :

- मुख्य सचिव भारतीय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सिविल सेवाओं का वरिष्ठतम पद है।
- यह पद भारतीय प्रशासनिक सेवा का संवर्ग या कॉडर (Cadre) पद है।
- मुख्य सचिव राज्य प्रशासन (मंत्रिमंडल) से जुड़े सभी मामलों में मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार के रूप में कार्य करता है।

शक्तियां एवं कार्य : सचिवालय का कार्यकारी प्रमुख

1. राज्य प्रशासन के सभी मामलों पर मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार।
2. राज्य मंत्रिपरिषद के सचिव।
3. राज्य सचिवालय का प्रशासनिक प्रमुख तथा यदि आवश्यक हो तो मंत्रिमंडल और उसकी उप समितियों की बैठक में भाग लेना।
4. मंत्रिमंडल की बैठकों के लिए एजेंडा तैयार करना तथा उसकी कार्यवाही का रिकार्ड रखना।
5. राज्य सिविल सेवा के प्रमुख के रूप में कार्य करता है। तथा वरिष्ठ राज्य सिविल सेवकों की नियुक्ति, स्थानांतरण, पदोन्नति से संबंधित सभी मामलों को देखता है।
6. राज्य प्रशासन का मुख्य समन्वयक तथा अंतर विभागीय समन्वय सुनिश्चित करता है।
7. अंतर-विभागीय विवादों के लिए गठित समन्वय समितियों का अध्यक्ष होता है।
8. विभागों के सचिवों की बैठकों की अध्यक्षता करता है।
9. समन्वय स्थापित करने के लिए संभागीय आयुक्तों, जिला कलेक्टरों और जिला प्रशासन के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में आयोजित सम्मेलनों की अध्यक्षता।

राजस्थान के पहले मुख्य सचिव	के. राधाकृष्णन (1949 से 1950 तथा 1950 से 1951)
राजस्थान के दूसरे मुख्य सचिव	वी. नारायणन (1950)
वर्तमान	सुधांश पंत

नोट :

ई.पी. रॉयप्पा बनाम तमिलनाडु राज्य :

- ई.पी. रॉयप्पा बनाम तमिलनाडु राज्य का मामला मुख्य सचिव से संबंधित है, जिसमें रॉयप्पा ने अपनी अस्थायी नियुक्ति और स्थानांतरण को चुनौती दी थी।
- ई.पी. रॉयप्पा मामले का फैसला मुख्य न्यायाधीश ए.एन. रे, न्यायमूर्ति डी.जी. पालेकर, न्यायमूर्ति वी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी.एन. भगवती और न्यायमूर्ति आर. कृष्णय्यर ने 23 नवंबर 1973 को सुनाया था।
- न्यायमूर्ति भगवती के तर्क ने अनुच्छेद 14 की व्याख्या को पारंपरिक वर्गीकरण मानदंड से कहीं आगे तक व्यापक बना दिया। उन्होंने कहा कि समानता एक गतिशील अवधारणा है जिसके कई पहलू हैं और वर्गीकरण के सिद्धांत को अनुमेय और निषिद्ध वर्गीकरणों के संकीर्ण दृष्टिकोण तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए।
- न्यायालय ने माना कि अनुच्छेद 14 राज्य विधान और कार्यपालिका की कार्रवाई में मनमानी का निषेध करता है। इसने यह सिद्धांत स्थापित किया कि राज्य की कार्रवाई मनमानी नहीं होनी चाहिए और उसे एक तर्कसंगत मानक का पालन करना चाहिए जो अनुच्छेद 14 की कसौटी पर खरा उतरे।
- **दिल्ली मुख्य सचिव का कार्यकाल विस्तार मामला :** नवंबर, 2023 में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली के मुख्य सचिव (नरेश कुमार) को दिया गया छह महीने का सेवा विस्तार कानून का उल्लंघन नहीं था।

राजस्थान में एक शहर-एक निगम मॉडल लागू

चर्चा में क्यों?

- 10 नवंबर, 2025 को राजस्थान के तीन बड़े शहरों जयपुर, जोधपुर और कोटा में 'एक शहर एक निगम' मॉडल लागू हो गया है। इसके साथ जयपुर, जोधपुर और कोटा में 2-2 निगम खत्म हो गए।

मुख्य बिन्दु:

- कुल निकाय 312 से 309 हो गए।
- तीनों शहरों में संभागीय आयुक्त व कलेक्टर ने प्रशासक के तौर पर एकीकृत निगमों का कार्यभार भी संभाल लिया है।
- लेकिन पहले दिन निगमों की वेबसाइट बंद रहने और एकीकृत टीमों तय नहीं होने से फालोअप शिविर, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र जैसे कार्य बाधित रहे।
- दूसरी ओर, सरकार के इस फैसले के बाद तीनों शहरों में महापौरों और पार्षदों का कार्यकाल खत्म हो गया है। उनके सभी प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार समाप्त कर दिए गए हैं।
- जयपुर में संभागीय आयुक्त पूनम, जोधपुर में संभागीय आयुक्त प्रतिभा सिंह और कोटा में कलेक्टर पीयूष सामरिया ने निगम प्रशासक का कार्यभार संभाल लिया है। ह मॉक ड्रिल राजस्थान और मध्य प्रदेश

पैरा शटलर कृष्णा नागर

चर्चा में क्यों?

- पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट बैडमिंटन खिलाड़ी राजस्थान के कृष्णा नागर ने जापान में सम्पन्न हुई जापान पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल चैम्पियनशिप में दो गोल्ड मेडल जीते।



मुख्य बिन्दु:

- कृष्णा ने पुरुष एकल में गोल्ड के साथ-साथ मिक्स्ट डबल्स में नित्या श्री सिवन के साथ जोड़ी बनाते हुए गोल्ड मेडल जीते।
- कृष्णा ने ये दोनों गोल्ड मेडल SH6 कैटेगरी में जीते।
- वर्ष 2020 टोक्यो पैरालंपिक में गोल्ड मैडल तथा वर्ष 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप में पैरा-बैडमिंटन में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके हैं। यह मॉक ड्रिल राजस्थान और मध्य प्रदेश

मदर टेरेसा समाज गौरव, 2025 अवार्ड

चर्चा में क्यों?

- दिव्यांगों के उत्थान व समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए विश्व पैरा थ्रो बॉल महासंघ की अध्यक्ष निर्मला रावत को 'मदर टेरेसा समाज गौरव- 2025' अवॉर्ड दिया गया।
- समर्पण संस्था की ओर से दुर्गापुरा में हुए समारोह में संस्थापक अध्यक्ष दौलत राम माल्या ने यह सम्मान दिया।



मुख्य बिन्दु:

- निर्मला रावत राजस्थान की जयपुर निवासी हैं, जिन्होंने भारत में पैरा खेलों, विशेषकर पैरा थ्रोबॉल के विकास और संगठन में सक्रिय भूमिका निभाई है।
- **प्रमुख उपलब्धियाँ:-** 2024-25 में उन्होंने विश्व पैरा थ्रोबॉल महासंघ की अध्यक्षता संभाली, जो यह दर्शाता है कि उन्होंने इस खेल के अंतरराष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- इसी दौरान उन्हें "साहमेतेरी मेडल" (Sahametrei Medal) से सम्मानित भी किया गया।
- इस पुरस्कार से उनके दिव्यांग खेलों के क्षेत्र में प्रयासों को मान्यता मिली।

रावतभाटा परमाणु ऊर्जा परियोजना (RAPP शतरंज प्रतियोगिता : आदित्य ढींगरा को पहला स्थान



मुख्य बिन्दु:

- जयपुर, किंगडम ऑफ़ चेस के तत्वावधान में आयोजित शतरंज प्रतियोगिता का सफल समापन हुआ। प्रतियोगिता में पहला स्थान आदित्य ढींगरा ने प्राप्त किया, जिन्हें 31,000 रु. नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान की गई।
- दूसरा स्थान वर्णित दीक्षित को मिला, जिन्हें रु. 21,000 नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी मिली, वहीं तीसरे स्थान पर अक्षत नेगी रहे उन्हें रु. 11,000 नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी से समानित किया गया। विजेताओं को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने पुरस्कृत किया।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>आयरनमैन : 70.3 में डॉ. सुनीत को तीसरा स्थान</p> <ul style="list-style-type: none">आयरनमैन चैम्पियनशिप में जयपुर के प्लास्टिक सर्जन और हेयर ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट डॉ. सुनीत सोनी ने तीसरा स्थान हासिल किया है।गोवा में आयोजित इस प्रतियोगिता में 1.9 किलोमीटर की स्वीमिंग, 90 किलोमीटर की साइकिलिंग और 21.1 किलोमीटर हाफ मैराथन शामिल थी।वह वर्ष 2026 में फ्रांस होने वाली वर्ल्ड चैम्पियनशिप में पार्टिसिपेट करेंगे। इसके लिए उन्हें स्लॉट मिला है।
2.	<p>आर्ट क्यूरेटर वीरेंद्र</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में IP फीस्ट 4.0 लीजेंड्स में जयपुर के आर्ट क्यूरेटर विजेंद्र बंसल को सम्मानित किया गया।इसमें भारत को 'कला, शिल्प और डिजाइन की सबसे समृद्ध धरोहर के रूप में दिखाया गया।
3.	<p>RUHS और यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के बीच हुआ एमओयू</p> <ul style="list-style-type: none">विज्ञान और राजस्थान स्वास्थ्य विश्वविद्यालय जयपुर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर यूनाइटेड किंगडम के मध्य शोध, शिक्षा, अकादमिक आदान-प्रदान को लेकर करार हुआ है।उद्देश्य : दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य फैकल्टी ऑफ बायलॉजी, मेडिसिन एंड हेल्थ के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देना है।RUHS के शिक्षकों को यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर की अनुसंधान पद्धतियों, आधुनिक शिक्षण तकनीकों और वैश्विक नेटवर्किंग के अवसर मिलेंगे। वहीं, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर को भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली, जनस्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में शोध का अवसर मिलेगा।

4.

फॉरेंसिक ज्ञान-2025

- विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी के फॉरेंसिक साइंस विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "फॉरेंसिक ज्ञान-2025" का समापन हुआ।

5.

जयपुर योग महोत्सव, 2025

- ग्रेटर निगम के कार्यकाल के अंतिम दिन को 'जयपुर योग महोत्सव, 2025' का आयोजन किया गया।
- महोत्सव में योग, पर्यावरण और स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।
- स्वच्छता अभियान, शक्ति वंदन कार्यक्रम और विश्व रिकॉर्ड स्थापित किए गए।

6.

ऊर्जा विभाग एवं CSEP रिसर्च फाउंडेशन के मध्य एमओयू

- 10 नवम्बर, 2025 को विद्युत भवन, जयपुर में राजस्थान के विद्युत क्षेत्र में अनुसंधान-आधारित नीतिगत निर्णय को सशक्त बनाने की दिशा में ऊर्जा विभाग ने CSEP रिसर्च फाउंडेशन के साथ एक एमओयू पर साइन किए।
- समझौते के अंतर्गत प्रमुख कार्यक्षेत्र निम्नलिखित हैं -
1. उपभोक्ता लाभ और डिस्कॉम की स्थिरता के मध्य संतुलन स्थापित करने वाले विकेंद्रीकृत सौर प्रणाली के ढाँचे विकसित करने में सहयोग।
 2. पर्यावरणीय दृष्टि से जिम्मेदार और लागत प्रभावी विद्युत क्रय रणनीतियों को प्रोत्साहन देना।
 3. हरित ऊर्जा, विद्युत वाहन, ऊर्जा भंडारण और स्मार्ट ग्रिड जैसी उभरती तकनीकों के वित्तीय एवं नीतिगत प्रभावों का सूक्ष्म उपभोक्ता स्तर पर अध्ययन करना।

7.

कम्युनिटी पुलिसिंग जागरूकता कार्यशाला

- 10 नवम्बर, 2025 को राजस्थान पुलिस ने इंडिया पुलिस फाउंडेशन (IPF) के मार्गदर्शन में एक महत्वाकांक्षी जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया है।
- उद्देश्य : कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को पुलिस के व्यापक उत्तरदायित्वों और सामुदायिक सुरक्षा में उनकी भूमिका के बारे में शिक्षित करना।
- कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की सुरक्षा, अपराध रोकथाम, और सामुदायिक कल्याण में पुलिस अधिकारियों की बहुमुखी भूमिकाओं के प्रति जागरूकता और समझ को बढ़ाना है।
- जयपुर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के दो चयनित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों लक्ष्मण डूंगरी, गलतागेट और एस.के.एन. विद्यालय, जोबनेर में शुरू हुआ।

8.

'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत-फिट राजस्थान' कार्यक्रम

- 14 नवम्बर, 2025 को बाल दिवस के अवसर पर प्रदेश के युवाओं को नशा मुक्त, एकाग्रचित्त और उद्देश्यपूर्ण जीवन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत-फिट राजस्थान' युवा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।
- **आयोजक** : राजस्थान युवा बोर्ड एवं आर्ट ऑफ लिविंग संस्था, राजस्थान
- **उद्देश्य** : राजस्थान के युवाओं को नशा मुक्त, स्वस्थ, सशक्त एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन के लिए प्रेरित करना।

9.

ऑल इंडिया इंटर क्लब स्पोर्ट्स कार्निवल (AIICSC)

- रामबाग गोल्फ क्लब की मेजबानी में संपन्न ऑल इंडिया इंटर क्लब स्पोर्ट्स कार्निवल में उमेद क्लब जोधपुर ओवरऑल चैंपियन बना, जबकि फील्ड क्लब उदयपुर उपविजेता बना।



अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य



आयनी एयरबेस



चर्चा में क्यों?

- भारत ने ताजिकिस्तान स्थित आयनी एयरबेस पर अपना परिचालन बंद कर दिया है, जिसने मध्य एशिया में भारत को रणनीतिक प्रभाव प्रदान किया था।



मुख्य बिन्दु:

- यह एयरबेस मूलतः सोवियत काल के दौरान बनाया गया था, लेकिन सोवियत संघ के विभाजन के बाद इसकी हालत खराब हो गई थी।
- भारत ने 2002 से अब तक 3,200 मीटर लंबे रनवे, हैंगर, ईंधन डिपो और हवाई यातायात नियंत्रण के साथ इसे उन्नत करने के लिए लगभग 80 मिलियन डॉलर का निवेश किया है, जिसका अधिकांश कार्य सीमा सड़क संगठन द्वारा किया गया है।
- यह ताजिकिस्तान में अफगानिस्तान के वाखान कॉरिडोर से लगभग 20 किमी दूर स्थित है, जिसकी सीमा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और चीन के झिंजियांग प्रांत से लगती है।

चीन का विमानवाहक पोत फुज़ियान

चर्चा में क्यों?

- चीन ने अपना पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया विमानवाहक पोत, फुज़ियान को नौसेना में शामिल कर लिया है।

मुख्य बिन्दु:

- यह चीन का तीसरा विमानवाहक पोत है और स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया पहला पोत है, जिसका नाम ताइवान के सामने स्थित प्रांत के नाम पर रखा गया है।
- अपने रूसी-डिजाइन वाले पूर्ववर्तियों, लिओनिंग और शांदोंग के विपरीत, इसमें एक सपाट डेक और विद्युत चुम्बकीय कैटापल्ट हैं, जो इसे भारी और अधिक उन्नत विमानों को लॉन्च करने में सक्षम बनाता है।

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

रीसस मकाक (मकाका मुल्टा)

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने रीसस मैकाक के लिए अनुसूची II संरक्षण को पुनः बहाल कर दिया है तथा इसके शिकार, व्यापार और दुर्व्यवहार के विरुद्ध कानूनी सुरक्षा उपायों को मजबूत किया है।

मुख्य बिन्दु:

- यह एक दिनचर, सर्वाहारी प्राइमेट है। ये वृक्षों और स्थल दोनों पर रह सकते हैं।
- यह दक्षिणी एशिया के अधिकांश भाग, पूर्वी अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन और भारत में पाया जाता है।
- ये गैर-मानव प्राइमेट हैं, जो मनुष्यों के साथ लगभग 93% आनुवंशिक अनुक्रम समानता साझा करते हैं।
- **संरक्षण स्थिति:** लीस्ट कंसर्न (IUCN)।
- इसे CITES परिशिष्ट II में सूचीबद्ध किया गया है।

ट्रॉपिकल फ़ॉरेस्ट्स फॉरएवर फैसिलिटी (TFFF)



चर्चा में क्यों?

- भारत ट्रॉपिकल फ़ॉरेस्ट्स फॉरएवर फैसिलिटी (TFFF) में एक पर्यवेक्षक के रूप में शामिल होने के लिए तैयार है।



मुख्य बिन्दु:

ट्रॉपिकल फ़ॉरेस्ट्स फॉरएवर फैसिलिटी के बारे में:

- **शुरुआत:** ब्राजील द्वारा शुरू किया गया। यह ब्राजील के बेलेम में COP-30 के अवसर पर स्थापित एक वैश्विक कोष है। इसका गठन वन संरक्षण को दीर्घकालिक वित्त प्रदान करने हेतु किया गया है।
- **उद्देश्य:** उष्णकटिबंधीय वन वाले देशों को उनके मौजूदा वनों को बनाए रखने के लिए वार्षिक भुगतान करना। इससे वन संरक्षण और विस्तार को प्रोत्साहित किया जा सकेगा।
- **वित्त-पोषण तंत्र:** यह कोष सार्वजनिक और निजी निवेश के मिश्रण के माध्यम से लगभग 125 बिलियन डॉलर जुटाने का प्रयास करेगा।
- **पात्रता:** TFFF उष्णकटिबंधीय वन वाले 70 से अधिक देशों का समर्थन कर सकता है। इन्हें कुछ मानदंडों को पूरा करना होगा, जैसे:
 - वनों की कटाई दर वार्षिक रूप से 0.5% से कम होनी चाहिए;
 - देशज लोगों और स्थानीय समुदायों को संसाधनों का उचित आवंटन किया जाना चाहिए, आदि।

वन संरक्षण हेतु अन्य वैश्विक पहलें

- **जैव विविधता अभिसमय (1992):** यह पारिस्थितिक-तंत्रों के संरक्षण व सतत उपयोग और लाभों के न्यायसंगत बंटवारे को प्रोत्साहित करता है।
- **संयुक्त राष्ट्र REDD+ (2008):** यह वनों की कटाई को कम करने और कार्बन भंडारण-क्षमता बढ़ाने के लिए विकासशील देशों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करता है।
- **बॉन चैलेंज (2011):** इसके तहत वर्ष 2030 तक 350 मिलियन हेक्टेयर निम्नीकृत वनों को पुनर्स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- **पेरिस समझौता (2015):** यह वनों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के प्रमुख साधन के रूप में मान्यता देता है।

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी 🌡️

जीई-एफ 404 इंजन

📢 चर्चा में क्यों?

- भारत ने स्वदेशी तेजस मार्क 1-ए लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान करने के लिए 113 जेट इंजनों की खरीद हेतु अमेरिका की जनरल इलेक्ट्रिक के साथ 1 बिलियन डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

📌 मुख्य बिन्दु:

- जीई-एफ 404 इंजन 2027 और 2032 के बीच रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स (एचएएल) को दिए जाएंगे।
- हालाँकि, 2021 में ऑर्डर किए गए 99 ऐसे इंजनों की डिलीवरी अभी भी लंबित है।
- भारतीय वायुसेना इन युद्धक विमानों को शामिल करने पर विचार कर रही है, क्योंकि इसके लड़ाकू स्क्वाड्रनों की संख्या आधिकारिक तौर पर स्वीकृत 42 से घटकर 31 रह गई है।

तेजस एमके-1ए

- हल्का लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस 4.5 पीढ़ी और बहु-भूमिका वाला लड़ाकू विमान है। एलसीए एमके1ए, एलसीए तेजस का सबसे उन्नत संस्करण है।

राजव्यवस्था

असम बहुविवाह निषेध विधेयक-2025

चर्चा में क्यों?

- असम के मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि असम बहुविवाह निषेध विधेयक-2025 विधानसभा में पेश किया जाएगा।

मुख्य बिन्दु:

- इसमें पति या पत्नी के जीवित रहते हुए एक से अधिक बार विवाह करने को दंडनीय अपराध बनाने का प्रस्ताव है, जिसके लिए अधिकतम सात वर्ष तक की जेल की सजा हो सकती है।
- इसको संज्ञेय अपराध बना दिया गया है, अर्थात् तुरंत जमानत नहीं दी जाएगी।
- विधेयक में राज्य सरकार द्वारा बहुविवाह की पीड़ित महिलाओं को मुआवजा देने के लिए एक विशेष निधि स्थापित करने का प्रावधान शामिल है।
- यह कानून राज्य के अनुसूचित जनजाति समुदायों और संविधान की छठी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले जनजातीय जिलों पर लागू नहीं होगा।

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

वित्तीय क्षेत्रक मूल्यांकन कार्यक्रम (FSAP) रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- विश्व बैंक ने 'वित्तीय क्षेत्रक मूल्यांकन कार्यक्रम (FSAP) रिपोर्ट जारी की है। FSAP रिपोर्ट में भारत से आग्रह किया गया है कि वह अपने वित्तीय क्षेत्रक में सुधारों को तेज करे ताकि वह 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

मुख्य बिन्दु:

- **वित्तीय प्रणाली मजबूत:** रिपोर्ट के अनुसार भारत की वित्तीय प्रणाली अब और अधिक मजबूत और विविधतापूर्ण हो गई है।
- पिछली FSAP रिपोर्ट के बाद से भारत का पूंजी बाजार (इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट बॉन्ड) सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के 144 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 175 प्रतिशत हो गया है। इस वृद्धि में राज्य की प्रमुख भूमिका बनी हुई है।
- **डिजिटल प्रौद्योगिकी की बड़ी भूमिका:** डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना ने वित्तीय सेवाओं की उपलब्धता, कार्यकुशलता और वित्तीय समावेशन में व्यापक सुधार किया है।
- **विनियामक व्यवस्था में सुधार:** भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड द्वारा किए गए सुधारों से पर्यवेक्षण में सुधार हुआ है। हालांकि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs) की कार्य-प्रणाली की निगरानी और वित्तीय संकट से निपटने के स्तर पर चुनौतियां बनी हुई हैं।
- **वित्तीय बाजार का विकास:** कॉर्पोरेट बॉन्ड और अवसंरचनाओं के वित्तपोषण से संबंधित वित्तीय बाजार अब भी परिपक्व नहीं हुए हैं। निवेशक अभी भी सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश को ही प्राथमिकता देते हैं।

Daily Current Affairs

Date : 11 November, 2025



- **कर लगाने में असमानताएँ:** ऋण और इक्विटी के बीच असमान कर-प्रणाली से बॉण्ड बाजार में निवेश हतोत्साहित होती है।

निम्नलिखित सुधार किए जाने चाहिए:

- निजी क्षेत्र से पूंजी जुटाने पर बल देना
- NBFCs के विनियमन में सुधार करना
- डिजिटल और वित्तीय सुधारों का एकीकरण करना
- सुधारों की गति जारी रखनी चाहिए
- हरित क्षेत्रक की परियोजनाओं में वित्तपोषण को बढ़ावा देना

वित्तीय क्षेत्रक मूल्यांकन कार्यक्रम (FSAP):

- **शुरुआत:** FSAP की शुरुआत 1999 में हुई थी। यह विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) का संयुक्त कार्यक्रम है।
- **संचालन:** विकसित अर्थव्यवस्थाओं में FSAP का संचालन IMF द्वारा किया जाता है, जबकि विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में इसे विश्व बैंक और IMF द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जाता है।
- भारत का पिछला FSAP वर्ष 2017 में किया गया था।

-:22:-

व्यक्तित्व

चित्तरंजन दास (1870 - 1925)

चर्चा में क्यों?

- लोकसभा ने स्वतंत्रता सेनानी देशबंधु चित्तरंजन दास को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्य बिन्दु:

- वे लोकप्रिय रूप से "देशबंधु (राष्ट्र के मित्र)" के रूप में जाने जाते थे, और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख राष्ट्रवादी नेता, वकील, स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक थे।
- उन्होंने अलीपुर बम कांड (1908) में अरबिंदो घोष का बचाव किया और बाद में पूर्णकालिक रूप से स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हो गए।

प्रमुख योगदान:

- वह महात्मा गांधी के नेतृत्व वाले असहयोग आंदोलन (1919-22) में भागीदार थे।
- उन्होंने विधान परिषदों में प्रवेश करने और औपनिवेशिक शासन का अंदर से विरोध करने के लिए मोतीलाल नेहरू के साथ मिलकर वर्ष 1923 में स्वराज पार्टी की स्थापना की।
- चित्तरंजन दास पहली बार कलकत्ता के मेयर चुने गए (1924), उन्होंने शहरी सुधारों और नगरपालिका प्रशासन में भारतीय सशक्तिकरण के लिए काम किया
- उन्होंने कविताएं, निबंध और पुस्तकें लिखीं जिनमें 'इंडिया फॉर इंडियंस' और 'फ्रीडम थ्रू डिसओबिडिएंस' शामिल हैं।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>कृषि में डीप-टेक क्रांति को आकार देने वाली रिपोर्ट: WEF</p> <ul style="list-style-type: none">विश्व आर्थिक मंच ने उद्योग और शिक्षा जगत के हितधारकों के सहयोग से एक नई रिपोर्ट 'कृषि में डीप-टेक क्रांति को आकार देना' जारी की है।

